एक नजर में

सलाखों के बीच भी कायम रहा भाई-बहन का रिश्ता

नीमच। रक्षाबंधन पर सब जेल में भावुक कर देने वाला दृश्य सामने आया। बहनों ने जेल में बंद अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी तो भाई-बहन दोनों की आंखें नम हो गई। कुछ पल की मुलाकात में वर्षों का स्नेह और अपनापन आंखों से छलक पड़ा। राखी की डोर ने जेल की दीवारों के बीच भी भाई-बहन के रिश्ते की मजबूती और भावनाओं को जीवंत कर दिया। बहनों के चेहरे पर भाई के प्रति चिंता थी तो भाइयों की आंखों में बहनों के प्रति स्नेह और भावुकता साफ नजर आई। राखी बांधने को लेकर जेलर डॉ.अंशुल गर्ग सहित जेल स्टाफ ने पर्याप्त व्यवस्था कर रखी थी। रिश्तों की डोर ऐसी होती है, जो दूरी और दीवारों से भी नहीं टूटती।

रक्षाबंधन पर जेल परिसर में उमड़ी बहनों की भीड़

मंदसौर। भाई-बहन के पवित्र प्रेम और विश्वास का पर्व रक्षाबंधन शुक्रवार को जिला जेल परिसर में भी भावनाओं से सराबोर नजर आया। जेल में निरुद्ध अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए बड़ी संख्या में बहनें पहुंचीं। सुबह से ही जेल परिसर के बाहर बहनों की भीड़ दिखाई देने लगी। हाथों में राखी, मिठाई और पूजा की थाली लिए पहुंची बहनों के चेहरे पर भाई से मिलने की खुशी थी, तो लंबे समय बाद आमने-सामने होने पर कई आंखें नम भी नजर आईं। जेल प्रशासन द्वारा रक्षाबंधन को लेकर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई थीं। निर्धारित प्रक्रिया के तहत बहनों को जेल परिसर में प्रवेश दिया गया। इसके बाद बहनों ने अपने भाइयों से मुलाकात कर उनकी कलाई पर राखी बांधी और मिठाई खिलाकर पर्व की खुशियां साझा कीं। भाई-बहन के मिलन के इन पलों में जेल परिसर का माहौल कुछ समय के लिए भावुक हो गया। कई बहनों ने राखी बांधते समय अपने भाइयों की कुशलक्षेम पूछी और उन्हें भविष्य में अच्छा जीवन जीने की सीख दी। वहीं भाइयों ने भी बहनों को हर परिस्थिति में साथ निभाने का भरोसा दिलाया। मुलाकात के दौरान कुछ बहनें अपने भाई को देखकर भावुक हो गईं। परिजनों ने भाइयों के शीघ्र अच्छे भविष्य की कामना करते हुए उन्हें हिम्मत और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। रक्षाबंधन के अवसर पर जिला जेल में बंद अपने भाइयों को राखी बांधने के लिए जिले के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं पहुंचीं। जेल परिसर के बाहर सुबह से ही बहनों की कतारें लगने लगी थीं। किसी के हाथ में राखी और मिठाई थी तो कोई पूजा की थाली लेकर पहुंची थी। महिलाओं के साथ बच्चे और परिवार के अन्य सदस्य भी दिखाई दिए। भीड़ के चलते जेल परिसर के आसपास पूरे दिन रक्षाबंधन की चहल-पहल बनी रही।

16 बीज विक्रेताओं के लाइसेंस निलंबित

नीमच। कलेक्टर हिमांशु चन्द्रा के निर्देशानुसार जिले में अमानक बीजों के विक्रय पर प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के उप संचालक एन.एस. रावत ने बताया कि बीज निरीक्षकों द्वारा जिले के विभिन्न बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर बीजों के नमूने लिए गए। इन नमूनों को परीक्षण के लिए अधिकृत बीज परीक्षण प्रयोगशाला भेजा गया। परीक्षण में अमानक पाए गए बीजों के संबंध में संबंधित विक्रेताओं को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया। प्राप्त जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई करते हुए जिले के 16 बीज विक्रेताओं के बीज विक्रय लाइसेंस निलंबित किए गए हैं। निलंबित किए गए बीज विक्रेताओं में श्रीराम कृषि सेवा केंद्र लासुर, मंदरा एग्रो सिंगोली, श्री राम ट्रेडर्स सिंगोली, धाकड़ कृषि सेवा केंद्र नीमच, शांति सागर एग्रीटेक एलएलपी नीमच, ओम खाद बीज रतनगढ़, श्री सांवलिया बीज भंडार कुकड़ेश्वर, बालाजी बीज भंडार सिंगोली, श्री देव कृषि सेवा केंद्र कदवासा, आनंद कृषि क्लीनिक कुकड़ेश्वर, जोशी एग्रो एजेंसी नीमच, संदीप एग्रोटैक नीमच, अंबिका एग्रो एजेंसी रामपुरा, पालीवाल बीज भंडार नीमच, पाटीदार कृषि बाजार नीमच एवं अंबिका बीज भंडार नीमच शामिल हैं। कृषि विभाग द्वारा जिले में बीजों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा किसानों को गुणवत्तापूर्ण कृषि आदान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बीज विक्रय प्रतिष्ठानों का निरंतर निरीक्षण एवं नमूना परीक्षण किया जा रहा है। विभाग द्वारा स्पष्ट किया गया है कि अमानक बीजों का विक्रय पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

ऊंटी लहसुन बीज खरीदने उमड़े किसान

जावद। जावद मंडी में आगामी बुवाई के लिए ऊंटी लहसुन के बीज खरीदने आ रहे किसानों की भारी भीड़ के कारण नीमच-जावद मार्ग पर भीषण जाम लग गया है। मुख्य मार्ग से मंडी के प्रवेश द्वार तक वाहनों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं, जिससे यात्रियों और किसानों को घंटों परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। सितंबर से अक्टूबर के बीच लहसुन की मुख्य बुवाई होती है, जिसके लिए किसान अभी से ऊंटी लहसुन का बीज खरीद रहे हैं। जावद मंडी में इस लहसुन की गुणवत्ता और उच्च मांग के कारण यह 33 हजार से 37 हजार रुपये प्रति क्विंटल के रिकॉर्ड भाव पर बिक रहा है। इस यातायात जाम से निपटने के लिए मंडी प्रशासन की ओर से कोई ठोस व्यवस्था नहीं दिख रही है। मौके पर केवल एक-दो पुलिसकर्मी ही तैनात हैं, जो बेकाबू भीड़ और यातायात को नियंत्रित करने में असमर्थ साबित हो रहे हैं। स्थानीय निवासियों और राहगीरों ने मंडी प्रशासन से तत्काल अतिरिक्त सुरक्षा गार्ड तैनात करने की मांग की है, ताकि वाहनों की आवाजाही को सुचारू बनाया जा सके। ऊंटी लहसुन अपनी मजबूत कलियों, उत्कृष्ट गुणवत्ता और अधिक पैदावार देने की क्षमता के लिए जाना जाता है। किसान मानते हैं कि उच्च गुणवत्ता वाला बीज समय पर मिलने से आने वाले सीजन में फसल का उत्पादन बेहतर होगा और उन्हें अच्छे दाम मिलेंगे। किसानों और व्यापारियों की आवाजाही से आसपास के ढाबों, दुकानों और स्थानीय छोटे कारोबारियों के व्यापार में भी वृद्धि हुई है। विभिन्न राज्यों और शहरों तक माल पहुंचाने के लिए ट्रांसपोर्ट कारोबारियों की मांग भी काफी बढ़ गई है।

भक्ति, संस्कृति और सामाजिक एकता का दिखेगा अद्भुत संगम

नीमच। अहीर यादव समाज बघाना, नीमच द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव जन्माष्टमी एवं लोक आस्था और पारंपरिक संस्कृति के प्रतीक भुजरिया पर्व को हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाने की तैयारियां तेज कर दी गई हैं। दोनों पर्वों को लेकर समाजजनों एवं क्षेत्रवासियों में खासा उत्साह है। जन्माष्टमी के अवसर पर बघाना क्षेत्र के प्रमुख मंदिरों एवं आयोजन स्थलों पर आकर्षक विद्युत सजावट, विशेष श्रृंगार और भव्य झांकियां सजाई जाएंगी। भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ेगी। विभिन्न स्थानों पर मटकी फोड़ प्रतियोगिता, भजन-कीर्तन, संकीर्तन सहित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जन्माष्टमी के अगले दिन अहीर यादव समाज बघाना द्वारा पारंपरिक भुजरिया पर्व मनाया जाएगा। क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों से भव्य भुजरिया जुलूस निकाला जाएगा, जिसमें महिलाएं एवं श्रद्धालु सिर पर अंकुरित गेहूं और जौ की भुजरिया धारण कर शामिल होंगे। ढोल-नगाड़ों, ताशों, पारंपरिक वाद्य यंत्रों एवं अखाड़ों के साथ जुलूस बघाना के प्रमुख मार्गों और बाजारों से होते हुए निर्धारित जलाशय की ओर रवाना होगा। जुलूस के दौरान स्थानीय अखाड़ों के युवाओं द्वारा शौर्य, कला एवं पारंपरिक व्यायाम कौशल का प्रदर्शन किया जाएगा। जलाशय पर पूजा-अर्चना के बाद विधि-विधान से भुजरिया का विसर्जन किया जाएगा। विसर्जन के पश्चात समाजजन एक-दूसरे को भुजरिया भेंट कर शुभकामनाएं देंगे और बड़ों का आशीर्वाद लेकर आपसी प्रेम, भाईचारे एवं सामाजिक सौहार्द की परंपरा को मजबूत करेंगे। भुजरिया पर्व बघाना की समृद्ध लोक संस्कृति और सामाजिक एकता का प्रतीक माना जाता है। आयोजन को लेकर आयोजन समिति एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा सुरक्षा, यातायात, स्वच्छता सहित आवश्यक व्यवस्थाओं की तैयारियां की जा रही हैं, ताकि दोनों पर्व शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित वातावरण में संपन्न हों। इस अवसर पर बघाना में भक्ति, संस्कृति, परंपरा और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

गाय के बछड़े को ट्रैक्टर से बांध कर घसीटा

नीमच। जिस देश में गाय को गौ माता का दर्जा दिया गया उस देश में ऐसी घटना होना दिल दहलाने जैसी है। जीरण क्षेत्र में एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा जिसमें गाय की हालत गंभीर दिखाई दे रही है।

जानकारी अनुसार गांव हरवार में बीती शाम को एक व्यक्ति द्वारा गाय के बछड़े को ट्रेक्टर के पीछे रस्सी से बांध कर घसीटी गई। गाय रोड़ पर बिलबिलाती रही लेकिन उस व्यक्ति में थोड़ी भी दया नहीं आई,गाय घसीटा कर पूरी तरह से छिल गई ओर गांव के बाहर जलेश्वर रोड़ पर फेक दि गई,यही गांव के युवाओं को पता चला तो जीरण गौ रक्षा दल की मदद से उसे सुरक्षित जीरन गौ शाला छोड़ाया गया जहां उसका उपचार कराया गया। घटना के अगले दिन गुरुवार की दोपहर को ग्रामवासी एवं गौ रक्षा दल के सदस्यों ने जीरन थाना प्रभारी के नाम जीरन थाने में आवेदन दिया ओर उचित कार्यवाही की माँग की गई

आवेदन में बताया गया कि ग्राम हरवार तहसील जीरन जिला नीमच म प्र की ओर से निवेदन निम्न प्रकार है कि यह कि गांव हरवार तहसील जीरन के मुल निवासी है तथा कल दिनांक को शाम करीब चार बजे कन्हेयालाल पिता भागचंद जाति अहीरवार निवासी हरवार ने एक गाय के बछडे को जिंदा रस्सी से टैक्टर के बांधकर नई आबादी हरवार से जलेश्वर रोड तक घसीट कर ले गया और वही पर डाल दिया है जिससे बछडे को भारी शारिरिक क्षति हई है तथा मरणासंन्न अवस्था में छोड़कर उक्त व्यक्ति भाग गया जिसको मोके पर कई लोगो ने देखा जिसकी सूचना जीरन गौ रक्षक दल को दी जिससे गो रक्षक दल ने बछड़े को सुरक्षित कर जीरन गौ शाला ले गए ओर उसका इलाज करवाया है उक्त व्यक्ति ने धार्मिक भावनाओं को काफी गहरा आघात पहुंचाया है। साथ ही उक्त व्यक्ति का तबल कर सख्त वेधानिक कार्यवाही किए जाने बाबत यह आवेदन पत्र अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। आवेदन में हरवार ग्रामवासी एवं गौ रक्षा दल के सदस्य मौजूद थे।

भाई -बहन के अटूट प्रेम और विश्वास का रक्षाबंधन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया

भानपुरा। भाई बहन के अटूट विश्वास वह प्रेम का पर्व बड़े हर्ष और उल्लास के साथ मनाया गया में रक्षाबंधन पर दो-तीन दिन पहले से ही बाजार में बहुत रौनक वह रक्षा सूत्र अन्य सामग्री लेती हुई दिखाई दी बाजार में अच्छी चहल पहल के साथ व्यापारियों में नई ऊर्जा देखी गई।

महंगाई की मार का असर इस पर्व को फिका नहीं कर सका बहनों ने भाइयों के लिए रक्षा सूत्र मिठाइयां वह अन्य तरह किस खरीदी जमकर करी बहनों ने भाई को रक्षा सूत्र बांधकर रक्षाबंधन पर्व मनाया श्रावण मास की पूर्णिमा को मनाया जाने वाला यह पर्व भारत के मुख्य पर्वों में आता है। इस पर पर बहने भाई से अपनी रक्षा का वचन लेकर रक्षा सूत्र बनती है।

नीमच पुलिस का सृजन संवाद कार्यक्रम

नीमच। शासकीय रानी लक्ष्मीबाई कन्या शाला (कोठी स्कुल) नीमच में जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद'' के तहत राखी का धागा सुरक्षा का वादा'' कार्यक्रम का आयोजन, पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास द्वारा छात्राओं को दिया प्रेरणादायी संदेश, एसपी श्री राजेश व्यास सहित पुलिस अधिकारियों को छात्राओं द्वारा बांधी गयी राखी, छात्राओं को शैक्षणिक फोल्डर का वितरण किया।

मध्यप्रदेश पुलिस एवं स्कुल शिक्षा विभाग के समन्वय तथा युएनएफपीए के सहयोग से प्रदेश में सुजन संवाद योजना संचालित की जा रही है। उक्त योजना के माध्यम से विद्यार्थियों में विधिक जागरूकता, उत्तरदायी नागरिकता, सुरक्षा बोध तथा न्याय तक पहुँच के संबंध में समझ विकसित करना है।

इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए आज दिनांक 27 अगस्त 2026 को नीमच पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास के मुख्य आतिथ्य में शासकीय रानी लक्ष्मीबाई

कन्या शाला (कोठी स्कुल) नीमच में ''जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद'' के तहत ''राखी का धागा सुरक्षा का वादा'' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जन सुरक्षा युवा सृजन संवाद के अन्तर्गत राखी का धागा सुरक्षा का वादा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री राजेश व्यास ने कहा कि मध्य प्रदेश शासन, पुलिस विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वित प्रयासों से ''सृजन संवाद योजना'' संचालित की जा रही है।

दशपुर रंगमंच ने मुकेश की पुण्यतिथि पर दी संगीतमय श्रद्धांजलि

मंदसौर। स्थानीय दशपुर रंगमंच द्वारा हिंदी सिनेमा के महान पार्श्व गायक मुकेश की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विशेष संगीतमय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान शहर के सुरीले गायकों ने मुकेश जी के अमर गीतों की प्रस्तुतियां देकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में कलाकारों ने एक से बढ़कर एक सदाबहार नगमे पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। आबिद शाह ने कहीं दूर जब दिन ढल जाए..., श्याम गुप्ता ने, ये कौन चित्रकार है, अभय मेहता ने...ये मेरा दीवानापन है और आशा तरवेचा ने एक प्यार का नगमा है... गाकर समां बांधा। इसी क्रम में रौनक मिंडा ने चांद सी महबूबा हो मेरी..., राजा भैया सोनी ने... दिल लूटने वाले जादूगर, डॉ. महेश शर्मा ने सारंगा, तेरी याद में, दिव्यांश वर्मा ने मैंने तेरे लिए ही सात रंग के सपने चुने, हिमांशु वर्मा ने चंदन सा बदन चंचल चितवन, ललिता मेहता ने दुनिया बनाने वाले क्या तेरे मन में समाई और स्वाती रिछावरा ने कहीं करती होगी वो मेरा इंतज़ार जैसे दिलकश गीतों की सुंदर प्रस्तुतियां दीं।

कार्यक्रम के दौरान राज कपूर और मुकेश जी के आत्मीय संबंधों को याद करते हुए अभय मेहता ने बताया कि अमेरिका में जिस दिन मुकेश जी का निधन हुआ था, उस वक्त मर्माहत होकर राज कपूर साहब ने कहा था कि %आज मेरी आवाज़ ही खो गई है।% इस अवसर पर उषा कोठारी, निशा साड, आकांक्षा पोखरना सहित संगीत प्रेमियों ने उपस्थिति दर्ज कराई। संचालन आबिद शाह ने किया। ललिता मेहता ने आभार माना।

कंजार्डा पुलिस की घेराबंदी में खुला नशे की तस्करी का राज

नीमच। मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन डॉ. मोहन यादव की मंशानुरूप प्रदेश को नशामुक्त एवं युवाओं को नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के उद्देश्य से पुलिस मुख्यालय के निर्देशानुसार नीमच पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति अपनाते हुए लगातार सघन अभियान चलाया जा रहा है।

नीमच पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं परिवहन के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक जिला नीमच राजेश व्यास के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हेमलता अग्रवाल के मार्गदर्शन और एसडीओपी मनासा शाबेरा अंसारी के पर्यवेक्षण में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध प्रभावी एवं

कठोर वैधानिक कार्रवाई की जा रही है मुखबिर सूचना पर कंजार्डा पुलिस की त्वरित कार्रवाई इसी अभियान के अंतर्गत थाना प्रभारी महोदय मनासा निरीक्षक श्री निलेश अवस्थी के नेतृत्व में पुलिस चौकी कंजार्डा को विश्वसनीय मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि एक बोलेरो कैम्पर वाहन में भारी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ डोडाचूरा भरकर तस्करी के उद्देश्य से ले जाया जा रहा है तथा उक्त वाहन की एक मोटरसाइकिल सवार द्वारा पायलटिंग की जा रही है मुखबिर सूचना को गंभीरता से लेते हुए कंजार्डा पुलिस टीम द्वारा तत्काल वरिष्ठ अधिकारियों को अवगत कराया गया।

किसानों को फसलों की सतत निगरानी की सलाह

नीमच। जिले में खरीफ फसलों की अवधि लगभग दो माह पूर्ण हो चुकी है। ऐसे में किसानों को सलाह दी गई है कि वे अपनी फसलों की सतत निगरानी करते रहें तथा नींदा एवं कीट-व्याधि का प्रकोप दिखाई देने पर समय पर नियंत्रण के उपाय अपनाएं।

कृषि विशेषज्ञ डॉ. पचौरी ने बताया कि सोयाबीन में सेमीलूपर एवं गर्डल बीटल का प्रकोप दिखाई देने पर क्लोरएन्ट्रानिलीप्रोल 18.5 प्रतिशत एस.सी. की 150 मिली प्रति हेक्टेयर अथवा पूर्व मिश्रित बीटा सायफ्लुथ्रिन+इमिडाक्लोप्रिड की 350 मिली प्रति हेक्टेयर अथवा थायोमिथॉक्सम+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन की 125 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा से छिड़काव करें।

सोयाबीन एवं उड़द में पीला मोजेक दिखाई देने पर रसचूसक कीट एवं सफेद मक्खी के नियंत्रण हेतु डाईमिथोएट 30 प्रतिशत ई.सी. की 750 मिली प्रति हेक्टेयर अथवा इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. की 200 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा से छिड़काव करें। मक्का में फॉल आर्मी वर्म का प्रकोप दिखाई देने पर इमामेक्टीन बेंजोएट की 220 ग्राम प्रति हेक्टेयर अथवा क्लोरएन्ट्रानिलीप्रोल+लैम्ब्डा सायहेलोथ्रिन की 200 मिली प्रति हेक्टेयर मात्रा से छिड़काव करें।

मूंगफली में सफेद लट के नियंत्रण हेतु क्लोथियानीडीन 50 प्रतिशत डब्ल्यू.डी.जी. की 250 ग्राम मात्रा प्रति 1000 लीटर पानी प्रति हेक्टेयर क्षेत्र में ड्रेंचिंग करें। मूंगफली में व्याधि नियंत्रण के लिए पूर्व मिश्रित टेबुकोनाजोल+सल्फर की 1 किलोग्राम मात्रा प्रति हेक्टेयर के मान से छिड़काव करें।

देशभर के करीब 2 हजार जिनालयों में कल चलेगा शुद्धिकरण अभियान

नाहरगढ़। जैन श्वेतांबर मालवा महासंघ एवं नवरत्न परिवार के संयुक्त तत्वावधान में पर्युषण महापर्व के पूर्व देशभर में जिनालय शुद्धिकरण का विशेष अभियान 30 अगस्त को श्रद्धा और भक्ति के साथ आयोजित किया जाएगा। इस अभियान के अंतर्गत भारत के विभिन्न राज्यों में लगभग 2,000 जैन जिनालयों का शुद्धिकरण एवं स्वच्छता कार्य किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि जिनालय शुद्धिकरण का यह पावन अभियान आचार्य भगवंत नवरत्न सागर सूरिश्वरजी महाराज साहब की प्रेरणा से और युवा हृदयसम्राट आचार्य विश्वरत्न सागर सुरीश्वरजी मा. के मार्गदर्शन में वर्ष 2011 में प्रारंभ हुआ था। निरंतर श्रद्धा, सेवा और समर्पण के साथ आगे बढ़ते हुए यह अभियान अब अपने 16वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और आज एक व्यापक राष्ट्रीय अभियान का स्वरूप ले चुका है।

अनेक राज्यों में श्रद्धा एवं उमंग के साथ आयोजन अभियान के तहत गुजरात, मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, हिमाचल प्रदेश, महाराष्ट्र सहित देश के अनेक राज्यों में जिनालय शुद्धिकरण का कार्य श्रद्धा और उत्साह

के साथ किया जाता है। इसमें जिन मंदिरों की विशेष साफ-सफाई के साथ-साथ जिनालय की साज-सज्जा एवं आवश्यक व्यवस्थाओं को भी व्यवस्थित किया जाता है।

औषधीय विधि से प्रतिमाओं का विलेपन इस अभियान की विशेषता यह है कि जिनालय की स्वच्छता के साथ धातु एवं पाषाण की जिन प्रतिमाओं का औषधीय द्रव्यों से विलेपन भी किया जाता है। इस पवित्र कार्य के लिए आवश्यक सामग्री की विशेष किट तैयार कर विभिन्न जिन मंदिरों तक पहुंचाई जाती है। नवरत्न परिवार के कार्यकर्ता गांव-गांव एवं विभिन्न क्षेत्रों में जाकर इन किटों का वितरण भी करते हैं, ताकि अधिक से अधिक जिनालय इस अभियान से जुड़ सकें।

पर्युषण महापर्व की आराधना का शुभ संकल्प

नवरत्न परिवार जिनालयों की पवित्रता, स्वच्छता एवं धार्मिक परंपराओं के संरक्षण के लिए ऐसे पुनीत कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। पर्युषण महापर्व जैन समाज का प्रमुख आध्यात्मिक पर्व है। इसके पूर्व जिनालय शुद्धिकरण अभियान के माध्यम से वातावरण को स्वच्छ एवं आध्यात्मिक बनाने के साथ श्रद्धालुओं में आराधना, भक्ति, तप और धार्मिक चेतना का भाव जागृत किया जाता है।

इस अवसर पर नवरत्न परिवार एवं जैन समाज द्वारा पर्युषण महापर्व के दौरान आयोजित होने वाले विभिन्न आराधना, भक्ति, तप एवं धार्मिक कार्यक्रमों की तैयारियां भी की जा रही हैं। देशभर में जिनालय शुद्धिकरण अभियान को लेकर जैन समाज में विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण बना हुआ है।

महंगाई के विरोध में कांग्रेस ने बनाई शकर की अनोखी राखी

पिपलियामंडी। रक्षाबंधन पर्व पर बढ़ती महंगाई के विरोध में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने अनोखे तरीके से विरोध दर्ज कराया। कांग्रेस नेता शर्मा ने राखी पर शक्कर के पाउच लगाकर अनूठी राखी तैयार की और इसे बहनों को वितरित करने के साथ ही स्वयं एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की कलाई पर भी बंधवाया। कांग्रेस नेताओं ने केंद्र की मोदी सरकार पर बढ़ती महंगाई को लेकर निशाना साधा।

जिला कांग्रेस महासचिव अनिल शर्मा ने कहा कि भाजपा की मोदी सरकार के कार्यकाल में महंगाई बढ़ने से आमजन परेशान है। उन्होंने कहा कि महंगाई के कारण गरीबों की थाली से शक्कर की मिठास के साथ ही दाल, तेल सहित अन्य जरूरी खाद्य सामग्री भी दूर होती जा रही है। उन्होंने कहा कि जब से मोदी सरकार आई है, कमर तोड़ महंगाई है, महंगाई डायन खाए जात है। शर्मा ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है, जिससे गरीब, किसान और मजदूर वर्ग प्रभावित हो रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को आमजन की परेशानियों पर ध्यान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि महंगाई, गरीब, किसान और छात्रों के मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी लगातार आवाज उठा रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस सचिव मुकेश निडर ने कहा कि महंगाई से आमजन त्रस्त है। मेहनत-मजदूरी करने के बाद भी गरीब और मजदूर परिवारों को दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ रही है।

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत शिविर 29 अगस्त को

मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत मंदसौर में 29 अगस्त शनिवार को शिविर आयोजित किया जाकर जन समस्याओं का निराकरण किया जाएगा। अभियान के अंतर्गत जन संवाद तथा उद्यम संवाद शिविर मंदसौर के समीपस्थ ग्राम भूखी में आयोजित किया जाएगा द्वितीय सत्र में आयोजित होने वाले शिविर के पूर्व प्रथम सत्र में प्रात: अधिकारी गण मंदसौर तथा आसपास के ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण करके जन समस्याओं जन शिकायतों का निराकरण करेंगे।

अधिकारियों द्वारा मंदसौर तथा आसपास के जिन ग्रामीण क्षेत्र का भ्रमण किया जाएगा उनमें रेवासदेव?ा, नौगांवा, भूखी, हैदरवास, दाऊदखेडी, गुजरदा, भर?ावद, अघोरया, सेजपुरिया, भालोट, आधारीनिरधार, खिलचीपुरा, ढिकोला, जग्गाखे, सिंदपन, माल्याखेडी, साबाखेा, गुराडियादेदा, धारियाखेडी, रलायता, लालघाटी, बोहराखेडी, जमालपुरा, कोचवी, गल्याखेडी, नगर पालिका परिषद, मंदसौर के वाड क्रमांक 1 से 20 क्षेत्र का भ्रमण करके नागरिकों ग्रामीणों की समस्याओं शिकायतों का निवारण निराकरण किया जाएगा शासकीय योजनाओं का लाभ दिया जाएगा।

एक नजर | **अष्टमुखी स्वरूप में विराजे पशुपतिनाथ**

रक्षा सूत्र की राखी बांधकर मांगा सुख-समृद्धि का आशीर्वाद

मंदसौर। शिवना नदी के पावन तट पर विराजित भगवान श्री अष्टमुखी पशुपतिनाथ महादेव के मंदिर में रक्षा बंधन पर्व श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भगवान पशुपतिनाथ को विधि-विधान से रक्षा सूत्र की राखी अर्पित की गई। श्रद्धालुओं ने महादेव के दर्शन कर परिवार, समाज और समस्त जनमानस की सुख-शांति, समृद्धि एवं सुरक्षा की कामना की।

मंदसौर की धार्मिक पहचान बने श्री पशुपतिनाथ मंदिर की सबसे बड़ी विशेषता यहां स्थापित विशाल अष्टमुखी शिवलिंग है। लगभग 4.6 टन (46 क्विंटल) वजनी और करीब 3.5 मीटर ऊंचे इस शिवलिंग पर भगवान शिव के आठ मुख दो स्तरों में अंकित हैं। ऊपरी और निचले भाग में चार-चार मुख भगवान शिव के विविध स्वरूपों का दर्शन कराते हैं।

पर्यटन विभाग के आधिकारिक विवरण के अनुसार इन आठ मुखों को भाव, पशुपति, महादेव, ईशान, रुद्र, शर्व, उग्र और अशनी स्वरूपों से जोड़ा गया है। ये स्वरूप शिव की सृजनात्मक शक्ति, ज्ञान, चेतना, संरक्षण, सर्वव्यापकता और परिवर्तनकारी शक्ति के विविध आयामों का प्रतीक माने जाते हैं। यही अष्टमुखी स्वरूप पशुपतिनाथ मंदिर को देश के विशिष्ट शिव मंदिरों में अलग पहचान देता है।

अष्टमुखी पशुपतिनाथ की प्रतिमा की एक और विशिष्टता प्रत्येक मुख पर अंकित तीसरा नेत्र है। सनातन परंपरा में शिव का तीसरा नेत्र दिव्य दृष्टि, ज्ञान, चेतना और सत्य का प्रतीक माना जाता है। आठों मुखों का यह अद्भुत संयोजन भगवान शिव के विराट और बहुआयामी स्वरूप का साक्षात्कार कराता है।

पशुपतिनाथ मंदिर और शिवना नदी का संबंध भी श्रद्धालुओं की आस्था से गहराई से जुड़ा है। वर्षा ऋतु में शिवना का जलस्तर बढ़ने पर जब नदी का पानी मंदिर परिसर तक पहुंचता है, तो श्रद्धालु इसे भगवान पशुपतिनाथ का प्राकृतिक जलाभिषेक मानते हैं। मानसून में दिखाई देने वाला यह दृश्य मंदिर की धार्मिक महत्ता को और बढ़ा देता है।